BALARKA GLOBAL MART PVT. LTD.

BGM

BALARKA GLOBAL MART PVT. LTD.

CIN No. U74999RJ2017PTC058714

स्वास्थ्य सुरक्षा समृद्धि

# BALARKA

Web: www.balarkaglobal.com • Email: info@balarkaglobal.com

ISO 9001:2015 • ISO 22000:2018

*Our mission*
*is to spread Health,*
*Wealth & Happiness!!!*

# कम्पनी परिचय:–

**BALARKA GLOBAL MART PVT. LTD.** कंपनी भारत सरकार के (**MCA**) मिनिस्ट्री ऑफ कारपोरेट अफेयर्स द्वारा पंजीकृत है। इसका पंजीकृत कार्यालय जयपुर, राजस्थान में है। यह कंपनी इंडियन डायरेक्ट सेलिंग गाईड लाईन के अनुसार डायरेक्ट सेलिंग का व्यवसाय करती है और इसके साथ कार्य करके आम आदमी अपने स्वयं के रोजगार के साथ साथ स्वास्थ्य सुरक्षा और समृद्धि भी प्राप्त करता है।

**BALARKA GLOBAL MART PVT. LTD. में डायरेक्ट सेलर बनने का तरीका:** 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी भारतीय नागरिक कम्पनी द्वारा जारी डायरेक्ट सेलर आवेदक फार्म ऑनलाइन या हार्ड कॉपी को भर कर अपना निःशुल्क पंजीकरण करवा कर इस व्यवसाय को प्रारम्भ कर सकता है। आवेदक फार्म के साथ आवेदन कर्ता के (**KYC**) आई.डी. प्रूफ में पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक या **Cancel** चैक (**IFSC Code** सहित) सेल्फ अटेस्टेड फोटो कॉपी, दो फोटो तथा फार्म को कम्पनी में जमा करवाकर इस कम्पनी में स्मार्ट डायरेक्ट सेलर बनता है।

AXIS BANK
A/C NO.: 920020043077433
IFSC CODE : UTIB0001523

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
A/C NO.: 33190200000525
IFSC CODE : BARB0GOPJAI

## Essential Nutrients For Human Body

## मानव शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व

हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सात पोषक तत्व जैसे कि पानी, कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, के साथ–साथ विटामिन, खनिज तथा फाइबर की आवश्यकता होती है, किन्तु हम शायद ही कभी पानी, कार्बोहाइड्रेट और वसा पर्याप्त मात्रा में ग्रहण करते हैं, लेकिन हम में से बहुत लोग प्रोटीन विटामिन्स और फाइबर न्यून मात्रा में ग्रहण करते हैं, हमारी प्रमुख स्वास्थ्य संस्थाएँ जैसे कि **WHO**, **ICMR** और **NIN** अच्छे स्वास्थ्य हेतु इन पोषक तत्वों का प्रतिदिन प्रचुर मात्रा में भोजन में शामिल करने की सलाह देते हैं।

**क्या होता है जब शरीर में इन सात तत्वों का असंतुलन व्याप्त है।**

मधुमेह, रक्तचाप, पाचन तंत्र विकार, तंत्रिका तंत्र विकार, ह्रदय रोग, जोड़ो का दर्द, नेत्र सम्बन्धित समस्याएं, शरीर का संक्रमण, याददाश्त का कमजोर होना, बालों के झड़ने इत्यादि समस्याएं हमारे शरीर को जकड लेती हैं।

**खेती में रासायनिक खाद** से मिट्टी में पोषक तत्व घटने से हमारे शरीर को कुपोषण की भी आशंका रहती है। रासायनिक खाद के उपयोग से खेत की मिट्टी में अम्ल की मात्रा बढ़ने के साथ अब जिंक और बोरान जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होती जा रही है। इसका दुष्प्रभाव मिट्टी पर तो पड़ रहा है, इसका दुष्प्रभाव मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

## इन सभी समस्याओं का समाधान

## Balarka Wellness & Organic Agriculture Products.

The information provided on the book is for informational purposes only and is not intended as a substitute for advice from your physician or other health care professionals or any information contained on in any product label or packaging. You should not use the information on this site for diagnosis or treatment of any health problem or for prescription of any medication or other treatment. You should consult with a healthcare professional before starting any diet, exercise or supplementation program before taking any medication. Or if you have or suspect you might have a health problem. You should not stop taking any medication without first consulting your physician. This product is not intended to diagnose, treat, cure or prevent any disease.

## Aloevera Juice एलोवेरा ज्यूस

**एलोवेरा** हजारो वर्षों से इस्तेमाल लिया जा रहा है एलोवेरा प्राचीनकाल से इसकी चिकित्सा गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा में स्वाभाविक रूप से विभिन्न पोषक तत्व होते हैं : विटामिन, खनिज, अमीनो एसिड और अन्य ट्रेस तत्व जैविक पोषक तत्वों और एंजाइमों के साथ यह आंतरिक सफाई और स्वस्थ उन्मूलन का समर्थन करता है। आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ करने में सहायता करता है।

भारत में एलोवेरा यानी ग्वार पाठा एक घृतकुमारी के नाम से प्राचीन काल से जाना जाने वाला कांटेदार पत्तियों वाला पौधा है जिसमे रोग निवारण के गुण कूट-कूट कर भरे पड़े हैं। आयुर्वेद में इसे घृतकुमारी की उपाधि मिली हुई है तथा महाराजा का स्थान दिया गया है। औषधि की दुनिया में इसे संजीवनी भी कहा जाता है। इसकी सेकडों प्रजातियां होती है परन्तु 5-6 ही मानव शरीर के लिए उपयोगी है। एलोवेरा देखने में यह अवश्य अजीब सा पौधा है लेकिन गुणों का कहीं कोई अंत नहीं है यह जहां बवासीर, डायबिटीज, गर्भाशय के रोग, पेट की खराबी, जोड़ों के दर्द, त्वचा की खराबी, मुहासे, रूखी त्वचा, धूप में झुलसी त्वचा, झुर्रियों, चेहरे के दाग धब्बों एवं काले घेरे, फटी एड़ियों के लिए यह लाभप्रद है वहीं दूसरी तरफ खून की कमी को दूर करता है तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

**प्रयोग में लेने की विधि :-**

1. पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए। 2. कम तापमान वाले स्थान पर रखे। 3. 15 से 30 एम एल Aloevera (100 मिलीलीटर पानी के साथ) रोजाना दिन मे 2 से 3 बार लेवें। 4. बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें। 5. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे। 6. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Noni Juice नोनी ज्यूस

**नोनी ज्यूस** में चमत्कारी गुण है। नोनी में प्राकृतिक शुद्ध और शक्तिशाली अमिनो एसिड है। इसे अच्छी सेहत व ऊर्जा और शरीर का संतुलन बनाये रखने के लिए प्राकृतिक तरीके से बनाया गया है। नोनी कोशिकाओं और उतकों को पुनर्जीवित करने में प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में तथा मानसिक और शारीरिक ऊर्जा बढ़ाने में सहायता करता है। नोनी जूस से एमिनो एसीड की कमी की पुर्ती होती है तथा कोशिकाओं को पुनर्जीवित करता है, प्रतिरक्षा में सुधार, ऊर्जा और सहनशक्ति को बढावा देता है, शरीर को डिटॉक्स तथा रक्त को साफ करता है, संक्रमण और रोग से लड़ता है, स्वास्थ्य, त्वचा और बालों को बनाए रखता है, वजन प्रबंधक, एलर्जी को कम करता है, डायबिटीज की जोखिम कम करता है, तनाव और थकान से राहत, जोड़ो के दर्द और सूजन से राहत, एसिडिटी में राहत देता है, स्वस्थ्य दिल और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है, कैंसर तथा सभी प्रकार की एलर्जी में लाभदायक है।

**लाभः-** यदि पेट में बहुत ज्यादा गैस बन रही हो तो 20 से 30 एम एल नोनी गर्म पानी में मिलाकर कहीं भी बैठकर चाय की तरह घूट घूट करके धीरे धीरे पियें, आपको पांच-दस मिनट में ही गैस से आराम मिल सकता है। जीवन में हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पानी, चाय, कॉफी अथवा एलोवेरा, नोनी या अन्य कोई भी ज्यूस कभी भूल से भी खड़े होकर और एक घूट में मत पीजिये, जमीन पर अथवा कुर्सी पर बैठकर जो कुछ भी आप चबाकर खाते हैं या घूट घूट करके धीरे धीरे पीते हैं, वो चमत्कारिक रूप से शरीर को बहुत अधिक फायदा करता है। एक बात का और विशेष ध्यान रखें कि स्टील का गिलास रासायनिक रिएक्शन के कारण एलोवेरा, तुलसी और नोनी के प्राकृतिक औषधीय गुणों में कमी लाता है, इसलिए एलोवेरा, तुलसी और नोनी का जूस पीने के लिए हमेशा शीशे के गिलास का ही प्रयोग करें।

**प्रयोग में लेने की विधि :-**

1. पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए। 2.खाने से 30 मिनट पहले 25 से 30 एम एल (गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन मे दो बार लेवें।
3. कम तापमान वाले स्थान पर रखे। 4.बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें।
5. कम से कम लगातार 3 महीने जरूर ले, गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे। 6. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले।

## Berrypas Juice बैरीपास ज्यूस

**बैरीपास ज्यूस** में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए और पोटैशियम पाया जाता है।

बैरीपास एंटी-ऑक्सीडेंट्स का खजाना है।
बैरीपास में कैंसर कोशिकाओं को पनपने से रोकने का गुण पाया जाता है।
अगर आप वजन कम करने के उपाय खोज रहे हैं तो बैरीपास आपके लिए एक अच्छा विकल्प है।
बैरीपास के नियमित सेवन से त्वचा की चमक लंबे समय तक बरकरार रहती है बालो का झडना भी कम होता है।

**प्रयोग लेने की विधिः**

1. बोतल को खोलने के बाद 1 माह के अंदर प्रयोग में अवश्य लेवे एवं पीने से पहले अच्छे से हिलाये।
2. सामान्य अवस्था में दिन में 2 बार खाने के बाद ले और कमजोरी की अवस्था में दिन में 3 बार खाने के बाद लेवे।
3. 5 साल से कम उम्र के बच्चो को इसका सेवन न करवाए, 5-15 साल के बच्चो को 10-20 ml. दिन में 2 से 3 बार दे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Immunopas Syrup इम्यूनोपास सिरप

**इम्यूनोपास सिरप** मे प्राकृतिक जड़ी बूटियां जैसे एलोवेरा, त्रिफला, हरीतकी, आवलां, बहेड़ा, कोरमा, तुलसी, अदरक, गिलोय, अश्वगंधा, पुनर्नवा, मुलेठी, मण्डूकपर्णी, एप्पल आदि के साथ साथ कई अन्य लाभकारी तत्वों का संतुलित मिश्रण है।

**इम्यूनोपास सिरप** एक शानदार इम्यूनिटी बूस्टर है जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर आपके शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाने में सहायक है बढ़ी हुई रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण आपके शरीर को वैश्विक महामारियों के संक्रमण जैसे कोरोना, स्वाइन फ्लू, चिकनगुनिया, डेंगू, मलेरिया आदी से लड़ने के लिए क्षमता प्रदान करने में सहायक है ।

साथ ही कई शारीरिक समस्याएं जैसे सर्दी जुखाम खाँसी, सर दर्द, भूख न लगना, थकान के साथ शारीरिक कमजोरी आदि समस्याओं को आपके शरीर से दूर करने के साथ साथ आपकी पाचन क्रिया को मजबूत बनाकर आपको एक स्वस्थ शरीर प्रदान करने में सहायता करता है।

**प्रयोग लेने की विधि:**

1. बोतल को खोलने के बाद 1 माह के अंदर प्रयोग में अवश्य लेवे एवं पीने से पहले अच्छे से हिलाये।
2. सामान्य अवस्था में दिन में 2 बार खाने के बाद 15 से 20 एम एल सेवन करे।
3. 5 साल से कम उम्र के बच्चो को इसका सेवन न करवाए, 5–15 साल के बच्चो को 5–10 एम एल दिन में 1 बार दे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Punch Tulsi पंच तुलसी

**पंच तुलसी के लाभ:–** पंच तुलसी हर्बल प्रोडक्ट है जिसमें पांच तरह की तुलसी का अर्क होता है, तुलसी अपने गुणों के कारण दुनियाभर में जानी जाती है। तुलसी के चमत्कारी गुणों को देखते हुए **Balarka** ने इसे ड्रॉप के रूप में प्रयुक्त किया है, पंच तुलसी ड्रॉप से पूरे शरीर के कई तरह के रोग दूर होते हैं जैसे फ्लू, स्वाइनफ्लू, डेंगू, जॉइंटपैन, पथरी, ब्लडप्रेशर, मोटापा, शुगर, एलर्जी, हेपेटाइटिस, गठिया, पेशाब के रोग, पाइल्स, फेफड़ों के रोग, वीर्य की कमी, हिचकी, थकान, भूख की कमी, पेटदर्द, उल्टी, इत्यादि। शोधकर्ताओं का कहना है कि इसमें इस्तेमाल से दो सो से ज्यादा तरह की बीमारियों में फायदा होता है, तो आइए जानते हैं इसके फायदे और इस्तेमाल की पूरी जानकारी– अगर इस के कंपोजीशन की बात करें तो इसमें पांच तरह की तुलसी का एक्सट्रेक्ट होता है जैसे सफेदतुलसी, कालीतुलसी, रामतुलसी, वनतुलसी और नींबू तुलसी यहां हम बता देना चाहते है, कि कालीतुलसी को कृष्णतुलसी और श्यामतुलसी भी कहा जाता है जब कि सफेदतुलसी को विष्णुतुलसी, श्वेततुलसी भी कहा जाता है। पांच तरह की तुलसी के मिश्रण से यह आयुर्वेदिक गुणो का खजाना बन जाती है।

**प्रयोग में लेने की विधि:–**

1. पंच तुलसी की 1–2 बून्द पानी, चाय, कॉफी, दूध के साथ कांच के गिलास में ले सकते है।
2. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Green Tea ग्रीन -टी

**ये ग्रीन टी नई तकनीक और बेहतरीन स्वाद के साथ तैयार की गयी है।**

इसमे आपको मिलता है ग्रीन टी, ग्रेप शिड, दालचिनी, तुलसी, निम्बु, अदरक, काली मिर्च, मोरिंगा आदि का संतुलि मिश्रण है ओर मिठास के लिये कृत्रिम रूप से शुगर फ्री मिठास डाली गई है। इसका सेवन किसी भी उम्र का व्यक्ति कर सकता है।

**ग्रीन टी के फायदे:–**

ग्रीन टी का नियमित सेवन करने से अच्छी सेहद के साथ मोटापे से भी छुटकारा मिलता है साथ हि यह कई प्रकार के रोगों को आपके शरीर से दूर करती है। जैसे भूख नहीं लगना, खराब पाचन क्रिया, ब्लडप्रेशर, थकान, जुखाम, बुखार, सरदर्द, पेट दर्द, ह्रदय रोग, रोगप्रतिरोधक क्षमता की कमी, शुगर (मधुमेह) रोग, एलर्जी, कैंसर आदि कई प्रकार के रोगों में फायदेमंद साबित होती है।

**ग्रीन टी को उपयोग में लेने कि विधि:–**

1. उपयोग के लिए रोजाना दिन में 2 से 3 बार एक–एक टैबलेट 50–100 मिलीलीटर गर्म पानी के साथ एक कांच या चीनी के कप में भोजन से पहले ली जाती है।
2. आप जैसे ही टेबलेट पानी में डालते है स्वादिष्ट और सेहतमंद ग्रीन टी स्वतः ही तैयार हो जाती है।
3. कम से कम 3 माह तक लेवे, गर्भवती महिलाये उपयोग न करें।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले।

## Shaktipas Protein Powder शक्तिपास प्रोटीन पाउडर

**शक्तिपास प्रोटीन पाउडर** जब लोग प्रोटीन को खाद्य स्रोतों से प्राप्त नहीं कर पाते हैं तब वह प्रोटीन पाउडर को प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करते है।

**Balarka** आपके लिए लाया हे आयुर्वेदिक जडीबुटिया जैसे:–

सतावरी, अश्वगंधा, गिलोई, विदारीकंद, ब्राह्मी, मिल्क पाउडर, सोया प्रोटीन, बादाम पाउडर, आदि के संतुलित मिश्रण से निर्मित सबसे बेहतरीन आयुर्वेदिक प्रोटीन पाउडर हैं। आप अपने शरीर को फिट और स्वस्थ्य रखने के लिए **शक्तिपास प्रोटीन पाउडर** का उपयोग कर सकते हैं। इस पाउडर का फायदा वजन को नियंत्रित करने में भी होता हैं। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट या वसा की तुलना में अधिक तृप्त होता है। इसलिए प्रोटीन समद्ध खाद्य पदार्थों का सेवन करने से आपको कम कैलोरी प्राप्त हो सकती है। इसके अलावा यह आपकी भूख को भी तृप्त रखता है। इस तरह से आप अपने वजन को नियंत्रित करने में सफल हो सकते हैं। साथ हि अच्छे शारिरिक एवं मानसिक विकास के लिए इसका सेवन फायदेमदं होता हैं। किसी भी उम्र के बच्चे या बडे व्यक्ति, **शक्तिपास प्रोटीन पाउडर** का उपयोग कर सकते हैं।

**प्रयोग में लेने की विधि :–** 1. 20 से 25 ग्राम रोजाना गर्म पानी या दुध के साथ ले सकते हैं। 2.कम तापमान वाले स्थान पर रखे। 4.डिब्बे को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें। 5. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Omega-3 ओमेगा – 3

**ओमेगा–3** अलसी अर्क से निर्मित है– अलसी वास्तव में गुणों की खान है यह बात अलग है की लोग इसके प्रति अधिक सजग नहीं होते अलसी का नियमित सेवन हमे कई प्रकार के रोगो से छुटकारा दिला सकता है अलसी में ओमेगा–3 फैटी एसिड होता है जो हमें कई रोगो से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है ओमेगा–3 हमारे शरीर के अंदर नहीं बनता इसे भोजन द्वारा ही ग्रहण किया जा सकता है। शाकाहारियों के लिए अलसी ओमेगा–3 फैटी एसिड का इससे अच्छा कोई स्त्रोत नही है। मांसाहारियों को तो मछली से मिल जाता है अगर आप स्वयं को निरोग और चुस्त दुरुस्त चाहते हो तो रोज एक–दो ओमेगा–3 कैप्सूल अपने आहार में शामिल कीजिये।

**फायदे:–** ओमेगा–3 शरीर में ऊर्जा व स्फूर्ति प्रदान करता है। कैंसर रोधी हार्मोन्स की सक्रियता बढ़ाता है। रक्त में शर्करा तथा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करता है। जोड़ो के दर्द में राहत दिलाता है। पेट साफ रखने का घरेलु व आसान नुस्खा है। ह्रदय संबंध रोगों के खतरे को कम करता है। हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है। त्वचा को स्वस्थ रखता है एवं सूखापन दूर कर एक्जिमा आदि से बचाता है। यह शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इसका नियमित सेवन रजोनिवृति संबंधी परेशानियां दूर करता है। लिवर को स्वस्थ रखता है। ओमेगा–3 सुबह और शाम के भोजन से आधे घंटे पहले खाली पेट दिन में दो बार एक–एक कैप्सूल लें सकते है। अच्छे परिणामों के लिए 6–12 महीने के लिए दो बार दैनिक उपयोग करें। चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले।

## Kidspas Syrup किड्सपास सिरप

**किड्सपास सिरप** हमारे समाज मे खानपान पूरी तरह से प्रदूषित हो गया है लेकिन कोशिश करने के बाद भी हम अपने दूषित खानपान में बदलाव नहीं ला पाए हैं। इसका परिणाम यह है कि हमारे बच्चों को पूरी तरह पोशक खाद्य प्राप्त नहीं हो पाता है और वह कुपोषण का शिकार होते जा रहे हैं इसलिए Balarka लाया है बच्चों के लिए आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से निर्मित **किड्सपास सिरप** यह बच्चों के पाचन तंत्र को स्वस्थ्य कर बच्चों कि पाचन क्रिया को सामान्य एवं मजबूत करता है मांसपेशियों की ऐंठन, पेट के दर्द, पेट फूलने की समस्या आदि को समाप्त करता है बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जीवाणु एवं संक्रमण से मुकाबला करने की शक्ति प्रदान करता है साथ ही बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होता है। **किड्सपास सिरप** के किसी भी प्रकार के साइड इफेक्ट्स नहीं हैं तथा इसका अच्छा स्वाद होने की वजह से बच्चे इसे बहुत पसंद भी करते हैं।

**प्रयोग में लेने की विधि :**

1. प्रयोग से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए, बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें।
2. 15 वर्ष से अधिक आयु के बच्चे 20 से 30 एम एल एवं 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे 5 से 10 एम एल रोजाना दिन में 2 बार ले सकते हैं।
3. कम तापमान वाले स्थान पर रखे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## Diabopas Syrup/Capsule डायबोपास सिरप/कैप्सूल

**डायबोपास सिरप/कैप्सूल** मधुमेह रोगीयों के लिये उपयोगी एवं मधुमेह विकार में सहायक हैं रक्त शर्करा के स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है।

**प्रयोग में लेने की विधि:**

1. पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए। बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर ही प्रयोग में लेवें।
2. महीने के पहले 15 दिन भोजन से 1 घण्टे पहले दिन में 2 से 3 बार लें। मात्रा 15–30 एम.एल.उसके बाद दिन मे दो बार खाने से पहले 15–20 एम एल ले सकते हैं।
3. पुरानी औषधिया जो चल रही है उनको बन्द करने / बदलने की आवश्यकता नहीं या चिकित्सक की सलाह से ही बन्द करे या बदले।
4. कम से कम लगातार 3 महीने जरूर ले, गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
5. वयस्क 1–2 डायबोपास कैप्सूल दिन में दो बार ले सकते हैं।
6. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले।

## Orthopas Syrup/Capsule ऑर्थोपास सिरप/कैप्सूल

**ऑर्थोपास सिरप/ कैपसूल** जोड़ो का दर्द, कमर दर्द एंव घुटनो का दर्द आदि के लिये उपयोगी।

**प्रयोग में लेने की विधि :–**

1. पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए तथा 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें।
2. महीने के पहले 15 दिन भोजन से 1 घण्टे बाद दिन में 2 से 3 बार ले (मात्रा 20 से 25 एम एल) बाद में दिन मे 1–2 बार ले सकते है।
3. पुरानी औषधिया जो चल रही है उनको बन्द करने/बदलने की आवश्यकता नहीं या चिकित्सक की सलाह से ही बन्द करें/बदले।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।
5. गर्भवती महिला उपयोग नही करे।

**ऑर्थोपास कैपसूल:–** वयस्क, 1–2 कैप्सूल दिन में दो बार लेवें।

**परहेज :–**

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जैसे– अचार, इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करें। तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करें।
2. प्रतिदिन 4–6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थो का उपयोग अधिक ना करें।

## Denta Shine Toothpaste डेन्टा शाइन टूथपेस्ट

**डेन्टा शाइन टूथपेस्ट** मे बज्रदन्ती, बबूल छाल, पुदीना, लौंग, छोटी पिपली, नीम, पीलु, माजूफल औषधीय गुण हे।

**फायदे:–**

**डेन्टा शाइन टूथपेस्ट** आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का अनुठा समिश्रण है जो दांतों से जुड़ी किसी भी समस्या से आराम दिलाता है। ये मसूड़ों की सूजन और जलन से भी राहत दिलाता है। दांतों की वजह से मसूड़ों को हुई क्षति से ये उत्पाद आपको आराम दिलाता है। इसके अलावा दांतों की अन्य बीमारियों जैसे मसूड़े की सूजन, दांत दर्द, मुंह की बदबू और दर्दनाक मसूड़ों जैसी तकलीफों का हल भी इस उत्पाद के इस्तेमाल से मिलता है।

**प्रयोग विधि:–**

आपके टूथ ब्रश में जरा सा डेन्टा शाइन टूथपेस्ट लेकर धीरे–धीरे पूरे दांतों में हल्के हाथ से सुबह–शाम ब्रश करें।

## Gynopas Syrup गायनोपास सिरप

**गायनोपास सिरप** महिलाओं मे अनियमित मासिक धर्म, दर्द के साथ मासिक धर्म, शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी, श्वेत प्रदर रोग मे फायदे के साथ–साथ संतान प्राप्ति की सम्भावनाओ को बढाता है।

**प्रयोग में लेने की विधिः–**

1. पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए। सामान्य स्थिति में 15–25 एम एल दिन मे दो बार खाने के 1 घण्टे बाद लें।
2. बोतल को कम तापमान वाले स्थान पर रखे। कम से कम लगातार 3 महीने जरूर लें।
3. बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें।
4. अधिक मात्रा में रक्त निकलने की स्थिति में 30 एम.एल दिन में 3 बार लें।
5. चिकित्सक परामर्श अनुसार लेवें, गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।

**परहेजः–**

1. शीतलपेय प्रदार्थो का उपयोग अधिक ना करें।
2. ज्यादा खट्टे पदार्थ जैसे– अचार, इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करें। तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करें।
3. प्रतिदिन 4–6 लीटर पानी का उपयोग करे।

## Yuvapas Syrup युवापास सिरप

**युवापास सिरप** स्नायु मजबूत करने के लिए, सेक्स पावर, शीघ्र पतन, लकवा, पुरूष की कोई भी गुप्त समस्या मे फायदे के साथ साथ सन्तान प्राप्ति की सम्भावना बढाता है।

**प्रयोग में लेने की विधिः–**

1. भोजन से 1 घण्टे बाद दिन मे 2 बार 20–25 एम एल लें। 2.कम तापमान वाले स्थान पर रखे। 3.पीने से पहले बोतल को अच्छी तरह हिलाए। बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करें। 4.सामान्य रूप से पुरूष, स्त्री इसका उपयोग कर सकते है। 5.चिकित्सक परामर्श अनुसार लेवें। कम से कम लगातार 3 महीने जरूर ले। 6.गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।

**परहेजः–**

1. शीतल पेय प्रदार्थो का उपयोग अधिक ना करें। 2. ज्यादा खट्टे पदार्थ जैसे– अचार, इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करें। तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करें। 3.फल एंव सलाद लेवें तथा प्रतिदिन 4–6 लीटर पानी का उपयोग करे।

# Milkpas - मिल्कपास (Veterinary)

**बलारका ग्लोबल अपने महत्वपूर्ण तीन उद्देश्य स्वास्थ्य सुरक्षा और समृद्धि पर कार्य करते है।**

और इन उद्देश्यों से संबधित कई महत्वपूर्ण और लाभदायक प्रोडक्ट पहले से ही हमारे पास मौजूद हैं लेकिन इंसानों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पालतू जानवरों का स्वास्थ्य भी स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। आज हम लोग पूरी तरह से पालतू जानवरों पर निर्भर हैं क्योंकि हमारी महत्वपूर्ण खाद्य सामग्री हम जानवरों से ही प्राप्त करते हैं जैसे दुध दही घी मक्खन आदि । जानवरों को अच्छे दुध उत्पादन के लिए कैल्शियम और कई पोषक तत्व की आवश्यकता होती है और कैल्शियम हमेशा हरे चारे से ही प्राप्त होता है लेकिन हमारे देश की मौसम प्रवृत्ति के अनुसार जानवरों को 3 से 4 महीने ही हरा चारा प्राप्त होता है लेकिन हम लोग पशुओं का दुध साल भर उपयोग करना चाहते हैं इसलिए हम अन्य कई उपाय करके जानवरों में कैल्शियम की माला और आवश्यक तत्वों की पूर्ति के लिए प्रयास करते रहते हैं।

लेकिन अब बलारका एक ऐसा बेहतरीन प्रोडक्ट जानवरों के लिए लेकर आया है बलारका मिल्कपास यह 100% ऑर्गेनिक प्रोडक्ट है इसमें कई आवश्यक पोषाक तत्व सम्मिलित है जैसे -

केल्शियम ,फॉस्फोरस, विटामिन A, D3, B12, H, शतावरी ,जीवन्ति , कोबाल्ट, जिंक, कॉपर

आदि का संतुलित मिश्रण है

और यह स्ट्रौबरी के शानदार और स्वादिष्ट फ्लेवर में तैयार किया जाता है।

फायदे- इतने सारे पोषक तत्व का संतुलित आहार मिलने से कई फायदे मिलते हैं जो दुध उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ हमारे पालतू जानवरों का स्वास्थ्य भी प्रबल रखते हैं। उनको किसी भी मौसमी बीमारी से बचाने के साथ-साथ उनकी पाचन क्रिया को दुरुस्त करेते हे इस उत्पाद का उपयोग करने के माल 10 से 15 दिन में ही आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे आपके दुध में वृद्धि होने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी देखेंगे।

**महत्वपूर्ण बदलाव जैसे -**

दुध के फैट में वृद्धि करता है।

जानवरो के स्वस्थ व मजबूत हड्डियों के लिए उपयोगी है।

मिल्कपास गर्भवती जानवरो के लिए पौस्टिक एव सम्पूर्ण आहार है।

जानवरो में रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ साथ बिमारियो की रोकथाम में सक्षम।

सूक्ष्म,जरुरी मिनरल एव विटामिन की पूर्ति करता है।

जानवरो में स्वस्थ गर्भधारण के लिये भी उपयोगी हे।जानवरों की पाचन क्षमता को बढ़ाता है जिससे भूख बढ़ाने में सहायक है।

**उपयोग लेने का तरीका-**

बलारका मिल्कपास को उपयोग में लेने का तरीका। बहुत आसान और सरल है अलग-अलग जानवरों की उम्र और वजन के हिसाब से आप इसकी माला तय करें और पशुओं की खाद्य सामग्री अथवा पेयजल में मिलाकर यह प्रोडक्ट आसानी से पशुओं को दिया जा सकता है।

गाय, भैंस और घोड़े को 100-120ml प्रतिदिन

भेड़, बकरी को - 40-80ml प्रतिदिन

कुत्तो,बिल्ली को - 10-20ml प्रतिदिन

पोल्ट्री फार्म (प्रति 100 बर्ड) - 20ml प्रतिदिन बड़े मुर्गों को - 25ml प्रतिदिन

नोट-अच्छे परिणाम के लिए कम से कम 3 माह तक नियमित सेवन करवाएं।

**Note:- For precaution consult veterinary doctor before use.**

# Brainpas Syrup - ब्रेनपास सिरप

**बलारका ब्रेनपास सिरप** आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें ब्राह्मी,मोचरस,शंखपुष्पी, यष्टिमधु,अश्वगंधा, धनिया, जटामांसी, सोंफ, विदांग,सर्पगढ़ा, वच्छा जैसी कई जड़ी बूटियां सम्मिलित है यह दिमाग को बल देने वाली, याददाश्त और बुद्धि को बढ़ाने वाली औषधि है। आज की तनाव से भरपूर लाइफस्टाइल में हर किसी को इसका सेवन करना चाहिए। यह दिमाग के साथ-साथ आपकी हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छी होती है। जी हां हमारी प्रकृति से प्राप्त हर्ब्स से निर्मित यह प्रोडक्ट हमें कई हेल्थ समस्याओं से बचाती हैं। वयस्कों और बच्चों में सोच और व्यवहार संबंधी समस्याओं, मानसिक बीमारियों, मानसिक विकारों, उन्माद, श्वसन अंगों का अचानक बंद होना, वयस्कों और बच्चों में मुखर अनैच्छिक प्रतिक्रियाएं जैसी समस्याओं में बलारका ब्रेनपास सिरप का इस्तेमाल किया जाता है।

## प्रयोग में लेने की विधि:

1. वयस्क 10 से 15 एम.एल. और 5 से 12 वर्ष तक के बच्चे 5 से 10 एम.एल. बलारका ब्रेनपास (100 मिलीलीटर गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन में 2 बार खाने के 1 घंटे बाद लेवे।
2. बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करे।
3. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार लेंवे और अछे परिणाम के लिए लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थों का उपयोग ना करे ।

# Livopas Syrup - लिवोपास सिरप

**बलारका लिवोपास सिरप** आज के समय में हमारे खान-पान और दिनचर्या में बदलाव होने के कारण ज्यादातर लोग हमेशा लीवर प्रॉब्लम से ग्रसित नजर आ रहे हैं। अगर बात कि जाए तो 10 मे से 3 व्यक्ति आज लीवर समस्या से ग्रसित आपको मिलेंगे। हमारे बदलते खान-पान कि वजह से लीवर की समस्या हम सबके सामने उभर कर आ रही है। तो सबसे पहले हमें अपनी गलतियो को सुधारने की जरूरत है। धूम्रपान और शराब जैसी भयंकर गलतियां हमारे लीवर को डैमेज करती जा रही है और उसके साथ जो हमारे खान-पान मे फास्ट फूड चाट पकौड़ी तली भुनी चीजें इन सबको बदलकर सात्विक भोजन पर आना आवश्यक है। बलारका लिवो पास सिरप आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से बना एक ऐसा आयुर्वेदिक प्रोडक्ट है जिसका इस्तेमाल करने से पेट संबंधित कई समस्याएं दुर हो जाती हैं। लिवोपास सिरप कंटिन्यू 2 से 3 महीना परहेज के साथ इस्तेमाल करना चाहिए। इसके इस्तेमाल से लिवर में सूजन आना ,इन्फेक्शन होना , अपच, गेस सम्बन्धित समस्या एंव पेट सम्बन्धित लगभग सभी विकारो को ठीक करके लीवर को मजबूत बनाता है तथा पाचन क्रिया को बेहतरीन बनाता है।

## प्रयोग में लेने की विधि:

1. वयस्क 10 से 15 एम.एल. और 12 वर्ष तक के बच्चे 5 से 10 एम.एल. बलारका ब्रेनपास (100 मिलीलीटर गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन में 2 बार खाने से 30 मिनिट घंटे पहले लेवे।
2. बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करे।
3. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार लेंवे और अछे परिणाम के लिए लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

## परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थों का उपयोग ना करे ।

लिवोपास का उपयोग बीमार व्यक्ति के साथ-साथ स्वस्थ व्यक्ति भी कर सकते है।

## Cough Syrup - कफ सिरप

**बलारका कफ सिरप** बदलते मौसम और वायरस संक्रमण के चलते कई तरह की एलर्जी संबंधित समस्याएं आमतौर पर देखी गई है। मौसम का बदलाव सबसे ज्यादा हमारी इम्युनिटी पर असर डालता है। जिसके चलते सर्दी-जुकाम, खांसी और एलर्जी की समस्याएं आम हो जाती हैं। और इन समस्याओं से अधिकांश लोग जूझ रहे होते हैं। ऐसे वक्त में आयुर्वेदिक फार्मूले और दुर्लभ जड़ी बूटियों से निर्मित बलारका कफ सिरप संजीवनी का काम करती हैं। यह सिरप एक हर्बल औषधि है जिसका इस्तेमाल खांसी और जुकाम के अलावा गले की खराश कफ और बलगम जैसी कई शारीरिक समस्याओं मैं उपयोग कर सकते हैं। इसका फायदा पहले इस्तेमाल से देखने को मिलता है और यह आयुर्वेदिक औषधि होने के कारण शारीर में इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं रहते हे।

### प्रयोग में लेने की विधि:

1. 10 से 15 एम.एल. बलारका कफ सिरप (100 मिलीलीटर गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन में 2 बार लेवे।
2. बोतल को खोलने के बाद 1 महीने के अन्दर इस्तेमाल करे।
3. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और अछे परिणाम के लिए लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

### परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थों का उपयोग ना करे ।

## Multivitamin Tablets - मल्टीविटामिन टेबलेट

**बलारका मल्टीविटामिन टेबलेट** कई अलग-अलग विटामिन जैसे Vitamin C, vitamin B3, vitamin E, vitamin B5, vitamin B2, vitamin B6, vitamin B1, folic acid, vitamin B12, vitamin A, vitamin K27, vitamin D3 आदि का एक संयोजन है।

विटामिन सामान्य रूप से आपके दैनिक आहार में पाए जाते है। लेकिन यूरिया, पेस्टिसाइड द्वारा उपज, खेती, धान, फल आदि से हमें पूरे विटामिंस नहीं मिल पाते हैं। इसलिए हम चाह कर भी अपने दैनिक आहार में महत्वपूर्ण सभी विटामिन नहीं ले पाते हैं। इस समस्या का समाधान लेकर बलारका मल्टीविटामिन टेबलेट आपके लिए उपलब्ध है । विटामिन हमारे शरीर के लिए वो पोषक तत्व है जो हमारे शरीर को स्वस्थ और सही से सक्रिय रहने में मदद करते है। विटामिन्स हमारे शरीर में त्वचा के बनने और ठीक होने, हड्डियों के बनने और ठीक होने, कोशिकाओं के बनने और ठीक होने में मदद करते है। साथ ही ये हमारे इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाते है जिससे हमारा शरीर बीमारियों से लड़ने की क्षमता रखता है।

### प्रयोग में लेने की विधि:

1. मल्टीविटामिन सुबह व शाम के भोजन से आधे घंटे पहले खाली पेट दिन में 2 बार एक-एक टेबलेट ले सकते है ।
2. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
3. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार लेवे और अच्छे परिणामों के लिए लगातार 6 से 12 महीने के लिए 2 बार दैनिक उपयोग करे।

### परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थों का उपयोग ना करे ।

## Sea-Buckthorn Juice- सी-बक्थोर्न ज्यूस

**बलारका सी-बक्थोर्न** - खट्टे स्वाद वाला पीले कलर का यह रसीला फल हिमाचल प्रदेश और उत्तरांचल में पाया जाता है और यह औषधिय गुणो का भंडार है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। इसके अलावा इसमें विटामिन C, E, अमीनो एसिड, लिपिड, बीटा कैरोटीन, लाइकोपीन के अलावा प्रोविटामिन, खनिज और बॉयोलॉजिकल एक्टिव तत्व पाएं जाते है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए एक बेहतरीन ज्यूस है।

### सी-बक्थोर्न जूस सेवन करने के फायदे-

बलारका सी-बक्थोर्न हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को भी कम करता है। ठंडे शरीर में इन्सुलेशन देता है।यह कसरत और शारीरिक व्यायाम करने वाले व्यक्ति के लिए फायदेमंद होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसमें मौजूद फॉस्फेटिडिलसेरिन (PS) शरीर के ऊतकों को टूटने से बचाता है। साथ हि ये मानसिक तनाव,कैंसर,डायबिटीज थायराइड, लीवर, अल्जाइमर, सिरोसिस, एक्जिमा, झाईयां और मुहांसों में भी फायदेमंद है और इन सभी घातक बीमारियों से लड़ने में सहायक है। यह बालों के झड़ने की समस्या , झुर्रियां, दाग-धब्बे आदि रोगों से भी बचाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ब्रेन ट्यूमर के विकास को रोकता है। इसमें रेडियोप्रोटेक्टिव गुण होने के कारण शरीर को रेडिएशन से भी बचाता है।

### प्रयोग में लेने की विधि:

1. 20 से 30 एम.एल. सी-बक्थोर्न जूस (100 मिलीलीटर गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन में 2 से 3 बार लेवे।
2. बोतल को खोलने के बाद एक महीने के अंदर इस्तेमाल करे।
3. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और अच्छे परिणाम के लिए लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

### परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थो का उपयोग ना करे ।

## Red Aloevera Juice- रेड एलोवेरा ज्यूस

**बलारका रेड एलोवेरा ज्यूस** में विटामिन, फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रेड एलोवेरा हमारे पेट, स्किन के अलावा डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों में भी फायदेमंद होता है। रेड एलोवेरा जूस का सेवन न सिर्फ शरीर के भीतर के फंक्शन को सुधारता है बल्कि स्किन और बालों की सेहत के लिए बहुत गुणकारी होता है। यह पाचन क्रिया को स्वस्थ रखकर पेट को साफ रखता है। इसका नियमित सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

### प्रयोग में लेने की विधि:

1. 20 से 30 एम.एल. सी-बक्थोर्न जूस (100 मिलीलीटर गुनगुने पानी के साथ) रोजाना दिन में 2 से 3 बार लेवे।
2. बोतल को खोलने के बाद एक महीने के अंदर इस्तेमाल करे।
3. गर्भवती महिला उपयोग नहीं करे।
4. चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ले और अच्छे परिणाम के लिए लगातार 3 माह तक इसका सेवन करे।

### परहेज :

1. ज्यादा खट्टे पदार्थ जेसे इमली, इमली की चटनी का उपयोग ना करे तथा मसालेदार खाने का उपयोग कम करे ।
2. प्रतिदिन 4 - 6 लीटर पानी का उपयोग करे, शीतल पेय पदार्थो का उपयोग ना करे ।

# BALARKA AGRO-KIT

## Samrat सम्राट

**बलारका सम्राट**

1) अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट मान्यता प्राप्त, आईसीएआर (भारतीय कृषि और अनुसंधान परिषद) बलारका सम्राट 16 से अधिक तत्वों के साथ एकमात्र विश्व स्तर का अत्याधुनिक जैविक उत्पाद है।

2) सभी प्रकार की फसलों और विभिन्न मिट्टी के लिये तथा फसलो को संतुलित विकास प्रदान करने वाला उत्पाद हैं।

**बलारका सम्राट के प्रयोग के तरीके:**

1) स्प्रेः 2 मिलीलीटर। 1 लीटर पानी (प्राथमिक अवस्था मे) 2) फूल और फलने की अवस्था मेंः 3 मिली / 1 लीटर) (हर 20 दिन में स्प्रे करें)

3) ड्रिप सिंचाईः 1) सभी प्रकार की सब्जियां, सोयाबीन, प्याज, कपास, फल आदि। 500 मिली प्रति एकड़ (हर 25 दिन) 4) गन्ना, केला, पपीता, अंगूर, अनार आदि 1 लीटर प्रति एकड़ (हर 20 दिन) 5) बीज उपचारः बिजोपचार के लिये काम्या न्यूट्रीमैक्स 5 मिली प्रती 1 लिटर पानी के स्प्रे करे।

**बलारका सम्राट के नियमित उपयोग के लाभः**

1) फसल के प्रत्येक भाग की नियमित और संतुलित वृद्धि। 2) बलारका सम्राट द्वारा बीज प्रसंस्करण के कारण बीज अंकुरण दर बढ़ती है और फसलों को फंगल रोगों से भी बचाता है। 3) बलारका सम्राट में पोषक तत्व सीधे पत्ती नसों के माध्यम से जाते हैं एवं कोशिकाओं तक पहुंचता है, फसल की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं में भाग लेता है 4) प्रोटीन उत्पादन, न्यूक्लिक एसिड उत्पादन, प्रकाश संश्लेषण, कोशिका विकास और पुनर्जनन हार्मोन उत्पादन इन सभी क्रियाओ मे कारगर डी) खाद्य प्रसंस्करण आदि में सहायता करता है, जो फसल के अच्छे विकास और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। 5) इसमें विभिन्न पोषक तत्वों की नियमित और प्रत्यक्ष आपूर्ति के कारण, पत्तियां गहरी हरी, अधिक ताजा हो जाती हैं वे कुल मिलाकर एक उच्च क्षमता पर भोजन का उत्पादन करते हैं ताकि विकास की सभी अवस्था में पोषक तत्वों की कमी न हो और समग्र रूप से वृद्धि दिखाई दे जिस कारण फसलें तेजी से बढ़ती हैं। 6) फूलों के चरण में, बलारका सम्राट के उपयोग से फूल लगने की दर बढ जाती है और वे बड़े और स्वस्थ फूलों में रूपांतरित होते है। 7) फूल रोग मुक्त रहते हैं और फूलों की अच्छी क्षमता ओर विकास के साथ बड़े आकार के फलों में बदल जाते हैं इसलिए फलों के छोटे आकार और फलों के गलने की समस्या कम हो जाती है। 8) बलारका सम्राट के नियमित उपयोग के वजह पौधो के आसपास स्वतंत्र सूक्ष्मजीव जैसे की एजेटोबैक्टर, राइजोबियम, केएमबी, पीएसबी आदि की परिस्थितियों को तैयार होती है यह नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा इतर जटील मूलद्रव्य को पौधो के खाने लायक कर देते है। 9) जैसे-जैसे मिट्टी की विविध आवश्यक मुल्यो की आपूर्ति में सुधार होता है, वैसे-वैसे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। 10) अंगूर, अनार तथा विविध फूल एव फल, निर्यात के लिये उगाये गये कृषि उत्पादों के लिए, (शिमला मिर्च और अन्य सब्जियाँ आदि गुणवत्ता (रंग, वजन, चमक) सभी में वृद्धि प्रदान करता है। 11) बलारका सम्राट 100% जैविक हैं, यह जहरीले रासायनिक तत्व के अवशेषमुक्त हैं

## Bio Stick बायो स्टीक

**बलारका बायो-स्टीक उपयोग करने के तरीके:**

सभी छिड़काव / भींग / ड्रिप उत्पादों के साथ 1 मिली / प्रति लीटर पानी लागू करें।

**बलारका बायो-स्टीक –**

1) विभिन्न कृषि दवाओ के प्रभावी उपयोग के लिए यह आवश्यक है कि पोषक तत्वों का उचित असर सुनिश्चित किया जाए।

2) पत्ती के रोमछिद्रो के माध्यम से पोषक तत्वों को प्रभावी ढंग से परिवहन करके वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए, बायो फास्ट का प्रयोग आवश्यक हैं

3) बलारका बायो-स्टीक सिलिकॉन आधारित स्प्रेडर और स्टिक का उपयोग हर दवाई के साथ करने से उनके परिणाम को बढ़ा देता है।

**बलारका बायो-स्टीक के नियमित उपयोग के लाभ –**

1) पत्तियों के अंदर सभी प्रकार के एग्री इनपुट्स (ग्रोथ प्रमोटर, पेस्टीसाइड्स आदि) के अवशोषण में मदद करता है

2) छिड़काव करने पर, यह पत्तियों की पूरी सतह पर फैल जाता है और पत्तियों के अंदर आवश्यक पोषक तत्वों को पहुंचाता है।

3) इसमें मौजूद सिलिकॉन एक तरह से पोषक तत्व का काम भी करता है।

4) कीटनाशकों और वृद्धि हार्मोन का बढ़ता अवशोषण कम मात्रा में भी अपेक्षित परिणाम देता है।

5) ड्रिप के माध्यम से उपयोग किया जाने पर यह जड़ों के चारों ओर मिट्टी सछिद्र बनाए रखता है, रूट जोन को हवादार करके कवक के प्रसार से बचाता है, और रूट जोन के माध्यम से पोषक तत्वों के परिवहन को भी गति देता है।

6) फलों को चमकदार बनाता है और पत्तियों का रंग गहरा हरा करता है।

## Bhooshakti भुशक्ति

**बलारका भुशक्ति का उपयोग करने के तरीके:**

ए) सभी प्रकार की सब्जियों, फलों, केलियों, सोयाबीन, कपास और अन्य फसलों के लिए

1) बोने से पहले खेत की जुताई करते समय: – 500 ग्राम / एकड़ 2) फूलों की अवस्था मे: 500 ग्राम / एकड़ केला, गन्ना, पपीता, अंगूर, अनार, आम आदि फसलो के लिये 1) बोने से पहले खेत की जुताई करते समय: – 1 किग्रा / एकड़ 2) फूलों की अवस्था मे: 1 किग्रा / एकड़ 3) फल पकने की अवस्था: 1 किग्रा / एकड़

**बलारका भुशक्ति प्रयोग का माध्यम 1)** (तय मात्रा) + 200 से 400 लीटर पानी टपका सिंचाई के माध्यम से **2)** (तय मात्रा)+ 20 किलो विघटित खाद / खेत की मिट्टी / रेत (धूल बुवाई)

**बलारका भुशक्ति**

1) मृदा का स्वास्थ्य कृषि का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। फसलों के विकास को आधार देने के अलावा, विभिन्न पोषक तत्व और जल आपूर्ति के साथ पौधो के समग्र विकास मे मृदा महत्वपूर्ण योगदान देती है। 2) लेकिन 40 से 50 सालो मे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण आज खेती लवण युक्त और बंजर हो चली है।

**चलो खेती को पुनर्जीवित करें ...! इसका मतलब मिट्टी को पुनर्जीवित करना है!**

1) मिट्टी के क्षतिग् को ठीक करें। 2) अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों के तेजी से अपघटन द्वारा लवणता मे कमी। 3) मिट्टी को झरझरा बनाना 4) मिट्टी में माइक्रोबियल पारिस्थितिक तंत्र के गठन के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना।

**इन सब के लिये हम आपकी सेवा मे एक बेहतरीन उत्पाद पेश कर रहे हैं।**

**बलारका भुशक्ति के नियमित उपयोग के लाभ:**

इसमें प्राकृतिक मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक प्राकृतिक घटको का समूह शामिल है, इसके लाभ हैं: 1) नियमित उपयोग के साथ, मिट्टी में विष तत्वो को कम किया जा सकता है। (कार्बनिक काबर्न नाइट्रोजन) अनुपात में सुधार करता है जिस परिणाम स्वरूप ऐसे सूक्ष्मजीवों के पारिस्थितिकी तंत्र बनना. आसान होता है। 2) इन सूक्ष्मजीवों के माध्यम से मिट्टी में अनावश्यक और अतिरिक्त तत्व होते हैं उनका जलद अपघटन होता है जो मिट्टी की सतह को बेहतर बनाता है और इसे महिन बनाता है। 3) सामू नियंत्रण, मिट्टी के महिन ओर सच्छिद्र होने के कारण विषैले जीव नष्ट हो जाते हैं और जीवाणुओं की संख्या बढ़ जाती है। 4) मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाता है और अधिक पैदावार देता है। 5) अन्य जैव कारक मूल्यों की संख्या में वृद्धि करते हैं यह फूल के बढने और फलों के सेट मे भी सुधार दिखाता है। 6) यह फसल की वृद्धि में तेजी लाकर पैदावार बढ़ाने में मदद करता है।

## Rakshak रक्षक

**बलारका रक्षक उपयोग करने के तरीके:**

छिड़काव: 2 से 3 मिली प्रति लीटर (स्प्रे) ड्रिप सिंचाई: 250 मिली / एकड़

**बलारका रक्षक:**

1) फंगल रोग लगभग सभी फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं और समग्र उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।
2) हम आपके लिए एक बहुत प्रभावी और 100% जैविक कवकनाशी लेकर आए हैं।

**बलारका रक्षक के नियमित उपयोग के लाभ**

1) फसलों को सभी प्रकार के फफूंद जनित रोगों से बचाता है
2) फफूंद से संक्रमित फसलों में इसका उपयोग फंगस को मिटा सकता है और फसल क्षति से बच जाती है।
3) पावडरी और डाउनी फफूंदी आदि रोगों से विशेष सुरक्षा।

## Neem Power नीम पॉवर

**बलारका नीम पॉवर उपयोग करने के तरीके:**

छिड़काव: 2 से 3 मिली प्रति लीटर (स्प्रे) ड्रिप सिंचाई: 500 मिली / एकड़

**बलारका नीम पॉवर:**

अब हम बलारका नीम पॉवर के कार्य करने के तरीके को विस्तार से समझते है। बलारका नीम पॉवर के छिडकाव के बाद पत्तो तथा पौधो/फसल के विभिन्न अंगो मे कडवाहट आती है, जब भी कोई कीट पत्ते या फलो को खाने की कोशिश करता है तो वो खा नही पाता, तथा दूर भागता है। बलारका नीम पॉवर जब कीटों के शरीर के अंदर प्रवेश करता है तब वो सिधा उनके चायपचय क्रिया पर वार करता है, जिस परिणाम स्वरुप कीटक कुछ खा नही पाता और भुखा रहकर नष्ट हो जाता है। बलारका नीम पॉवर किटको की प्रजनन क्षमता को हानी पहुचाता है जिससे मादा कीटक अंडे नही दे पाती और देखते ही किटको की फसल नष्ट हो जाती है। बलारका नीम पॉवर अलग अलग 300 प्रकार के रोगों में बेहद कारगर है जिनमे से मुख्यत: Pink bollworm, Mealy bug, Beet armyworm, Aphids, White Fly, Cabbage Worm, Carterpillar, Nematodes, Moth Larvae, Mites, Japanese beetle, Mushroom Flies, Stem Borer शामिल है।

**चलिए जाने बलारका नीमपॉवर और रासायनिक कीटनाशी मे क्या अंतर है।**

रासायनिक कीटनाशी जहरिलि और इन्सानो तथा जानवरो के लिये जानलेवा होती है, जब की बलारका नीम पॉवर सिर्फ कीट/रोगो के लिये जानलेवा होती है। रासायनिक दवाओं का असर तुरंद दिखता है, लेकिन कुछ दिनों के भितर ही कीटक/रोग फिर से खेतो मे फसले नष्ट करने लगती है। इसके बिलकुल विपरीत बलारका नीम पॉवर का असर धिरे–धीरे बढ़ता है लेकिन बिमारी/कीट को वो जड से खत्म कर देता है। रासायनिक कीटनाशी फसलो को नष्ट करने वाले कीटको के साथ साथ मित्र कीटक जैसे के मधुमख्खीयो और तितलिया, केचुए इन सभी को नष्ट कर देती है, जिससे हमारी खेतो के साथ साथ सृष्टी की महत्वपुर्ण जीव शृंखला भी नष्ट हो सकती है। इस सबसे विपरीत बलारका नीम पॉवर किसी भी मित्र कीटको को हानी नहीं पहुंचाता। अगर हम किसान भाई की लागत की बात करे तो रासायनिक कीटनाशी बलारका नीम पॉवर से कई गुना महंगी होती है। सबसे बड़ी बात यह है की रासायनिक कीटनाशी के लगातार प्रयोग से कैंसर तथा फेफडो की बिमारी फैल रही है, उसे रोककर अच्छा स्वस्थ उत्पाद चाहिए तो बलारका नीम पॉवर प्रयोग अनिवार्य है।

**रासायनिक खेती के दुष्परिणामों से बचना हो और कम खर्च मे कीटों की समस्या से छुटकारा पाना हो तो बलारका नीम पॉवर का प्रयोग हर किसान भाईयों को हमेशा करना चाहिए यह हमारा नम्र निवेदन है।**

## Flower Growth फ्लॉवर ग्रोथ

**बलारका फ्लॉवर ग्रोथ का प्रयोग कैसे ?**

छिड़काव: 5 ग्राम / प्रति 15 लीटर पंप (स्प्रे)

ड्रिप सिंचाई:100 ग्राम / 200 लिटर पानी के साथ

**बलारका फ्लॉवर ग्रोथ:**

किसी भी पौधे को अगर 20 फूल लगते हो तो कई कारणोसे सिर्फ 8 से 9 फूल ही फलो में रुपांतरीत हो पाते है, उनमे से सिर्फ 5 से 6 फल ही स्वस्थ और बेचने लायक बनते है, यहा फल का मतलब कपास से लेकर गेंहु, धान, तक सारी फसलों की आखरी उत्पाद के बारे मे है।

**बलारका फ्लॉवर ग्रोथ के प्रयोग से होने वाले फायदे:**

बलारका फ्लॉवर ग्रोथ के लगातार प्रयोग से फूलोंका फलो मे रुपांतरण ज्यादा पैमाने मे तो होता ही है। साथ ही मे फल/अंतिम उत्पाद ज्यादा वजनदार और अच्छी गुणवत्ता वाला निकलता है जिस परिणाम स्वरुप किसान को अच्छी आमदनी होती है। इसका छिडकाव करते ही मुरझाऐ पौधे/फसल मे जान आ जाती है, वे तरो ताजा हो तीव्र गती से चारो और से बढते है, इसमे जडों का और पत्तो तथा शाखा सबका संतुलित विकास होते जाता है। इसके लगातार इस्तेमाल से पौधे मे रोग प्रतिकार शक्ती का विकास होता है, जिस परिणाम स्वरुप किसी भी बिमारी या कीटों का लगना मुश्किल हो जाता है। आपके पौधेफ्सल को तीव्र गती से संतुलित विकास प्रदान करने तथा बिमारीयो से सुरक्षा कवच प्रदान करना हो तो बलारका फ्लॉवर ग्रोथ का प्रयोग अनिवार्य है।

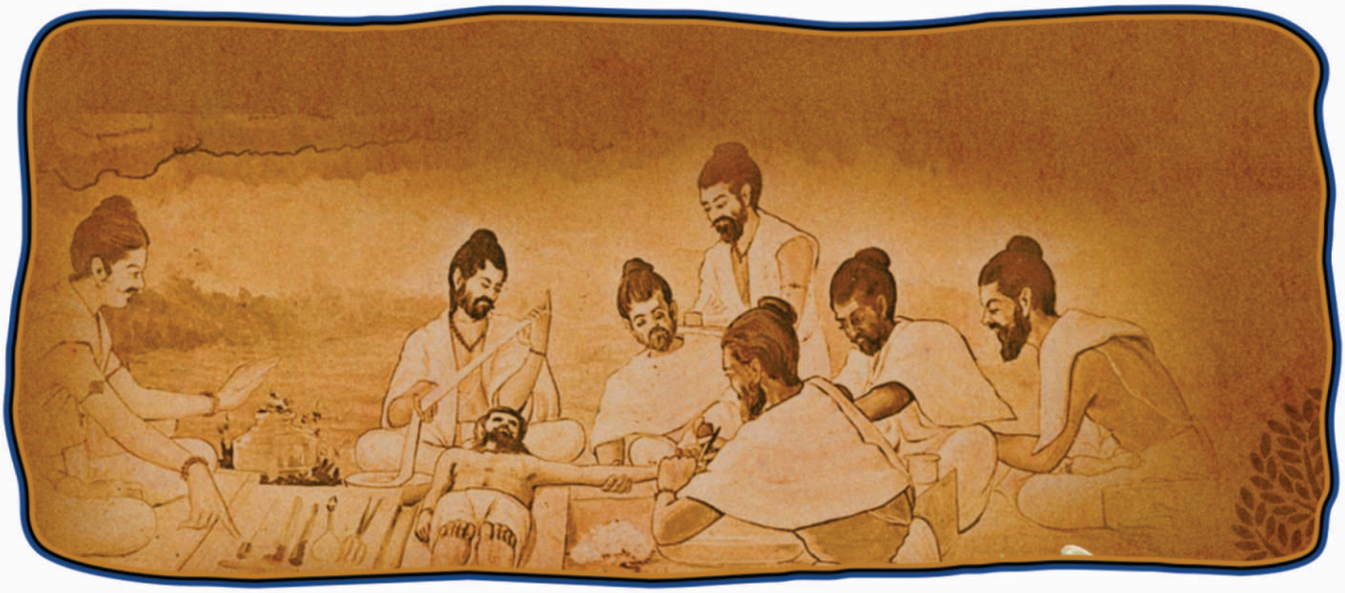

***Here Dreams Comes True ...***

# *Today's Decision Can Change Your Life All The Best*

Certificate of Compliance

# BALARKA
## GLOBAL MART PVT. LTD.

Jaipur Rajasthan
Web: www.balarkaglobal.com • Email: info@balarkaglobal.com
Customer Care : +91 98751 71000, 95218 97711

Print By:: Digital Print